



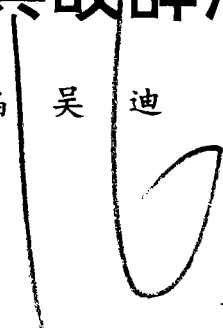
◎ 远方出版社

# 成语典故 辞海



# 成语典故辞海

主编 吴迪



362  
远方出版社

## **(内蒙) 新登字 7 号**

责任编辑: 王 然

封面设计: 笑 天

题 字: 何满宗

### **成语典故辞海**

主编 吴 迪

远方出版社出版发行

(呼和浩特市新华大街 4 号)

文字六〇三厂印刷

开本: 850×1168 1/32 印张: 25.5 字数: 1200 千

1995 年 5 月第 1 版 1995 年 5 月第 1 次印刷

印数: 1—10000 册

ISBN 7—80595—112—8/Z · 13 每册: 28.00 元

## 出版说明

中国文化源远流长，博大精深。作为中国文化的一支溪流——成语和典故，早在有文字记载之初，就应运而生。随着数千年来，中国传统文化的沉淀，成语和典故的堆积亦愈来愈深厚。时至今日，仍瀑涌不止。

成语是民间熟语的一种，属习用的固定词组。在汉语中多数由四个字组成，组织多样，来源不一，所指大多是一种特定的含义，有些可从字面来理解，有些需知道来源才行。典故则形式多样，有多字组、四字组、三字组，二字组不等。它们有固定的来源和出处，有一定的意义。在语言中准确地运用成语和典故，可以使语言富于哲理、诙谐、形象生动而又精炼。数千年来形成的成语和典故，可以说是凝聚了中华民族数十代人智慧的结晶，这种积累，是任何民族都无法比拟的。

近几年来，成语和典故辞典出了数十种，但缺少一部能够基本概括所有成语和典故的大型成语典故词典。为弥补这一缺陷，我们组织一批学者，在浩如烟海、汗牛充栋的古籍中，上下求索，搜集成语和典故二万余条，编成这本《成语典故辞海》，堪称国内本类辞典中的龙头老大。

为了与现有的成语典故辞典有所区别，本书对成语和典故只作简单的释义，而着重于成语和典故的来源。它清楚地指明成语和典故出自哪个历史朝代、源于何种历史文献，将其所表现的典故完完全全表现出来。使读者在一阅之下，既能明了成语和典故的意思，又能增添读书的乐趣。

总之，本书所收成语和典故，力求追本溯源，博采书证，并注重其科学性、稳定性，是一本不可多得的成语和典故工具书。

## 凡 例

一、本词典收录成语典故近两万条,其中包括少量常用熟语。

二、每条成语典故的注释一般包括释义和引文两部分。

1、释义部分:用最简洁的语言解释其含意。

2、引文部分:引用成语典故所出的文献,引文力求真实可靠。  
文献名称未加书名号,引文也未加引号。

三、为了便于读者查检原书,此文都注明书名、篇名。

四、本词典所用字体,一般以中国文字改革委员会编印的《简化字总表》为准。引用古籍文句、人名、书名、篇名仍用原来的繁体字或异体字。

五、本词典附有按笔画顺序排列的索引。

条 目 索 引

|      |   |      |   |      |   |
|------|---|------|---|------|---|
| 一 部  |   |      |   |      |   |
| 一人敌  | 1 | 一夕一朝 | 2 | 一毛不拔 | 3 |
| 一片石  | 1 | 一夕九徙 | 2 | 一片丹心 | 3 |
| 一戎衣  | 1 | 一夕三迁 | 2 | 一片心旌 | 3 |
| 一团糟  | 1 | 一夕五起 | 2 | 一片冰心 | 3 |
| 一块肉  | 1 | 一门深入 | 2 | 一片宫商 | 3 |
| 一抔土  | 1 | 一之谓甚 | 2 | 一片焦土 | 3 |
| 一时选  | 1 | 一己之私 | 2 | 一仍旧贯 | 3 |
| 一身轻  | 1 | 一飞冲天 | 2 | 一介之士 | 3 |
| 一杯水  | 1 | 一乡之谜 | 2 | 一介之才 | 3 |
| 一杯羹  | 1 | 一乡善士 | 2 | 一介之夫 | 3 |
| 一刹那  | 1 | 一夫奋臂 | 2 | 一介之善 | 3 |
| 一眨眼  | 1 | 一元大武 | 2 | 一介不取 | 3 |
| 一家言  | 1 | 一元复始 | 2 | 一介不苟 | 3 |
| 一掬泪  | 1 | 一无可取 | 2 | 一介书生 | 4 |
| 一斛珠  | 1 | 一无所有 | 2 | 一介野生 | 4 |
| 一辈子  | 1 | 一无所悉 | 2 | 一文不值 | 4 |
| 一窝蜂  | 1 | 一无所愧 | 2 | 一方之主 | 4 |
| 一溜烟  | 1 | 一木难支 | 2 | 一方之任 | 4 |
| 一壁厢  | 1 | 一木撑天 | 2 | 一心一计 | 4 |
| 一一温存 | 1 | 一车两马 | 2 | 一心一德 | 4 |
| 一人而已 | 1 | 一日九回 | 2 | 心不乱  | 4 |
| 一人当十 | 1 | 一日九迁 | 2 | 一心归命 | 4 |
| 一人当百 | 1 | 一日三秋 | 3 | 一双两好 | 4 |
| 一人向隅 | 1 | 一日万几 | 3 | 一双璧人 | 4 |
| 一人两心 | 1 | 一日千里 | 3 | 一以当十 | 4 |
| 一人贪戾 | 1 | 一日之长 | 3 | 一以贯之 | 4 |
| 一人复楚 | 1 | 一日之计 | 3 | 一孔之见 | 4 |
| 一刀两断 | 1 | 一日之乐 | 3 | 一予一夺 | 4 |
| 一了百了 | 2 | 一日之欢 | 3 | 一水之隔 | 4 |
| 一了百当 | 2 | 一日之雅 | 3 | 一世之雄 | 4 |
| 一千一方 | 2 | 一日必葺 | 3 | 一左一右 | 4 |
| 一士溷溷 | 2 | 一日纵敌 | 3 | 一龙一蛇 | 4 |
| 一寸丹心 | 2 | 一见如旧 | 3 | 一龙一猪 | 4 |
| 一口咬定 | 2 | 一见如故 | 3 | 一叶两豆 | 4 |
| 一口两匙 | 2 | 一见钟情 | 3 | 一叶知秋 | 4 |
| 一个负矢 | 2 | 一见倾心 | 3 | 一叶扁舟 | 4 |
|      |   | 一气呵成 | 3 | 一叶蔽目 | 4 |
|      |   | 一手包办 | 3 | 一叩洪钟 | 4 |
|      |   | 一手遮天 | 3 | 一出一入 | 4 |
|      |   |      |   | 一旦之功 | 4 |
|      |   |      |   | 一目十行 | 4 |
|      |   |      |   | 一目了然 | 4 |
|      |   |      |   | 一申燕贺 | 5 |
|      |   |      |   | 一生谨慎 | 5 |
|      |   |      |   | 一代风流 | 5 |
|      |   |      |   | 一代文宗 | 5 |
|      |   |      |   | 一代文豪 | 5 |
|      |   |      |   | 一代伟器 | 5 |
|      |   |      |   | 一代英雄 | 5 |
|      |   |      |   | 一代宗臣 | 5 |
|      |   |      |   | 一代楷模 | 5 |
|      |   |      |   | 一丘一壑 | 5 |
|      |   |      |   | 一丘之貉 | 5 |
|      |   |      |   | 一句投火 | 5 |
|      |   |      |   | 一丝不挂 | 5 |
|      |   |      |   | 一发千钧 | 5 |
|      |   |      |   | 一发不中 | 5 |
|      |   |      |   | 一发必中 | 5 |
|      |   |      |   | 一场春梦 | 5 |
|      |   |      |   | 一成之旅 | 5 |
|      |   |      |   | 一成不变 | 5 |
|      |   |      |   | 一匡天下 | 5 |
|      |   |      |   | 一至于此 | 5 |
|      |   |      |   | 一尘不染 | 5 |
|      |   |      |   | 一岁九迁 | 5 |
|      |   |      |   | 一岁三迁 | 5 |
|      |   |      |   | 一帆风顺 | 5 |
|      |   |      |   | 一曲之人 | 5 |
|      |   |      |   | 一曲之士 | 5 |
|      |   |      |   | 一曲阳春 | 5 |
|      |   |      |   | 一网打尽 | 6 |
|      |   |      |   | 一团和气 | 6 |
|      |   |      |   | 一年一度 | 6 |
|      |   |      |   | 一年半载 | 6 |
|      |   |      |   | 一年容易 | 6 |
|      |   |      |   | 一行作吏 | 6 |
|      |   |      |   | 一衣带水 | 6 |
|      |   |      |   | 一决雌雄 | 6 |

- |      |   |      |   |      |    |      |    |
|------|---|------|---|------|----|------|----|
| 一字一珠 | 6 | 一言之信 | 7 | 一刻千金 | 9  | 一顾千金 | 11 |
| 一字千金 | 6 | 一言为定 | 8 | 一炊之梦 | 9  | 一顾之价 | 11 |
| 一字之师 | 6 | 一言可尽 | 8 | 一波三折 | 9  | 一致百虑 | 11 |
| 一字不易 | 6 | 一言可采 | 8 | 一治一乱 | 9  | 一钱不名 | 11 |
| 一字褒贬 | 6 | 一言可辟 | 8 | 一定之论 | 9  | 一钱不值 | 11 |
| 一军皆惊 | 6 | 一言半句 | 8 | 一定不易 | 9  | 一缺十求 | 11 |
| 一阳来复 | 6 | 一言半辞 | 8 | 一官半职 | 9  | 一笑千金 | 11 |
| 一阶半级 | 6 | 一言兴邦 | 8 | 一泻千里 | 9  | 一笑倾城 | 11 |
| 一阴一阳 | 6 | 一言丧邦 | 8 | 一视同仁 | 9  | 一笔勾销 | 11 |
| 一收一放 | 6 | 一言陷人 | 8 | 一经之儒 | 9  | 一倡三叹 | 11 |
| 一羽不举 | 6 | 一言难尽 | 8 | 一经博士 | 9  | 一息尚存 | 11 |
| 一事可航 | 6 | 一言愤事 | 8 | 一贯作风 | 9  | 一息奄奄 | 11 |
| 一芹之微 | 6 | 一应费用 | 8 | 一树百获 | 9  | 一般无二 | 11 |
| 一劳久逸 | 6 | 一应俱全 | 8 | 一草一木 | 9  | 一般见识 | 11 |
| 一劳永逸 | 6 | 一灼之火 | 8 | 一面之交 | 10 | 一病不起 | 11 |
| 一来二去 | 6 | 一张一弛 | 8 | 一面如旧 | 10 | 一旅中兴 | 11 |
| 一技之长 | 6 | 一君二民 | 8 | 一挥而就 | 10 | 一家之言 | 11 |
| 一步登天 | 6 | 一纸具文 | 8 | 一战而霸 | 10 | 一家之迷 | 11 |
| 一时口惠 | 6 | 一枝之栖 | 8 | 一览无余 | 10 | 一家之学 | 11 |
| 一时之权 | 6 | 一板一眼 | 8 | 一览而过 | 10 | 一家之赐 | 11 |
| 一时之观 | 7 | 一柱擎天 | 8 | 一览能诵 | 10 | 一家风骨 | 11 |
| 一时之利 | 7 | 一画开天 | 8 | 一哄之市 | 10 | 一窍不通 | 11 |
| 一时之杰 | 7 | 一雨三日 | 8 | 一哄而散 | 10 | 一诺千金 | 11 |
| 一时之说 | 7 | 一雨成秋 | 8 | 一是一非 | 10 | 一通故衣 | 11 |
| 一时之选 | 7 | 一雨所润 | 8 | 一显身手 | 10 | 一厢情愿 | 12 |
| 一时之善 | 7 | 一事无成 | 8 | 一竿风月 | 10 | 一掷千金 | 12 |
| 一时之誉 | 7 | 一事不知 | 8 | 一剑之任 | 10 | 一掷天下 | 12 |
| 一时权变 | 7 | 一奋其气 | 8 | 一食万钱 | 10 | 一掷百万 | 12 |
| 一时名流 | 7 | 一卧不起 | 8 | 一胜一负 | 10 | 一掷乾坤 | 12 |
| 一时缓急 | 7 | 一妻一妾 | 8 | 一脉香烟 | 10 | 一唱一和 | 12 |
| 一别如雨 | 7 | 一味空谈 | 8 | 一亲芳泽 | 10 | 一偏之见 | 12 |
| 一男半女 | 7 | 一呼百诺 | 8 | 一举二得 | 10 | 一得之愚 | 12 |
| 一串骊珠 | 7 | 一鸣惊人 | 8 | 一举三得 | 10 | 一盘散沙 | 12 |
| 一佛出世 | 7 | 一咏一吟 | 9 | 一举千里 | 10 | 一毫不取 | 12 |
| 一身两役 | 7 | 一败涂地 | 9 | 一举成名 | 10 | 一望无垠 | 12 |
| 一坐尽倾 | 7 | 一易之地 | 9 | 一举两失 | 10 | 一断于法 | 12 |
| 一坐尽惊 | 7 | 一国三公 | 9 | 一举两全 | 10 | 一弹指顷 | 12 |
| 一坐咨嗟 | 7 | 一国若狂 | 9 | 一举两得 | 10 | 一隅之见 | 12 |
| 一坐称善 | 7 | 一物不知 | 9 | 一举两获 | 10 | 一琴一鹤 | 12 |
| 一饭千金 | 7 | 一物不将 | 9 | 一举两擒 | 10 | 一棺附身 | 12 |
| 一饭之报 | 7 | 一知半解 | 9 | 一觉扬州 | 10 | 一朝一夕 | 12 |
| 一饭之德 | 7 | 一往情深 | 9 | 一差二错 | 11 | 一朝千古 | 12 |
| 一饭斗米 | 7 | 一彼一此 | 9 | 一语道破 | 11 | 一朝之忿 | 12 |
| 一饮一啄 | 7 | 一贫如洗 | 9 | 一误再误 | 11 | 一朝之患 | 12 |
| 一言一行 | 7 | 一命而僂 | 9 | 一盞茶时 | 11 | 一朝有饥 | 12 |
| 一言九鼎 | 7 | 一念之差 | 9 | 一索得男 | 11 | 一朝科头 | 12 |
| 一言千金 | 7 | 一狐之腋 | 9 | 一壺千金 | 11 | 一落千丈 | 12 |

- |      |    |        |    |        |    |        |    |
|------|----|--------|----|--------|----|--------|----|
| 一喜一怒 | 12 | 一一垂丹青  | 14 | 生      | 15 | 一分耕耘，一 |    |
| 一超直入 | 12 | 一日难再晨  | 14 | 一失足成千古 |    | 分收获    | 16 |
| 一鼎之调 | 12 | 一去不复还  | 14 | 恨      | 15 | 一斗不醉，一 |    |
| 一傅众咻 | 12 | 一对可吟虫  | 14 | 一团茅草乱蓬 |    | 石不醉    | 16 |
| 一禽负矢 | 12 | 一问三不知  | 14 | 蓬      | 15 | 一死一生，乃 |    |
| 一觞一咏 | 12 | 一时之虚誉  | 14 | 一年之计在于 |    | 知交情    | 16 |
| 一馈十起 | 13 | 一时之毁誉  | 14 | 春      | 15 | 一则以喜，一 |    |
| 一游一豫 | 13 | 一身都是胆  | 14 | 一江春水向东 |    | 则以惧    | 16 |
| 一寒一暑 | 13 | 一饭三吐哺  | 14 | 流      | 16 | 一佛出世，二 |    |
| 一寒至此 | 13 | 一言以蔽之  | 14 | 一言正而天下 |    | 佛涅槃    | 16 |
| 一粥一饭 | 13 | 一沐三握发  | 14 | 治      | 16 | 一身之外，别 |    |
| 一登龙门 | 13 | 一物降一物  | 14 | 一言而为万世 |    | 无长物    | 16 |
| 一缕之任 | 13 | 一举手之劳  | 14 | 利      | 16 | 一言出口，驷 |    |
| 一鼓而下 | 13 | 一语撞到墙  | 14 | 一枝红杏出墙 |    | 不及舌    | 16 |
| 一鼓作气 | 13 | 一昔掩大德  | 14 | 来      | 16 | 一言既出，驷 |    |
| 一鼓歼灭 | 13 | 一朝见天日  | 15 | 一树梨花压海 |    | 马难追    | 17 |
| 一裘一葛 | 13 | 一鼻孔出气  | 15 | 棠      | 16 | 一贫一富，乃 |    |
| 一路平安 | 13 | 一女不嫁二夫 | 15 | 一将功成万骨 |    | 知交态    | 17 |
| 一路福星 | 13 | 一马不被两鞍 | 15 | 枯      | 16 | 一波未平，一 |    |
| 一辞莫赞 | 13 | 一不做二不休 | 15 | 一朝天子一朝 |    | 波又起    | 17 |
| 一筹莫展 | 13 | 一生受用不尽 | 15 | 臣      | 16 | 一贵一贱，交 |    |
| 一意孤行 | 13 | 一动不如一静 | 15 | 一家仁，一国 |    | 情乃见    | 17 |
| 一碧万顷 | 13 | 一而再再而三 | 15 | 兴仁     | 16 | 一顾倾城，再 |    |
| 一模一样 | 13 | 一竹竿打到底 | 15 | 一人之下，万 |    | 顾倾国    | 17 |
| 一榻横陈 | 13 | 一年之计在春 | 15 | 人之上    | 16 | 一登龙门，声 |    |
| 一箴一否 | 13 | 一床锦被盖过 | 15 | 一人有庆，兆 |    | 价十倍    | 17 |
| 一箴一瓢 | 13 | 一榜尽赐及第 | 15 | 民赖之    | 16 | 一路哭不如一 |    |
| 一震之威 | 13 | 一蟹不如一蟹 | 15 | 一人传十，十 |    | 家哭     | 17 |
| 一嘘之故 | 13 | 一举手，一投 |    | 人传百    | 16 | 一目之罗，不 |    |
| 一睨不视 | 13 | 足      | 15 | 一人传虚，万 |    | 可以得鸟   | 17 |
| 一暴十寒 | 13 | 一遭生，两遭 |    | 人传实    | 16 | 一部二十五史 |    |
| 一簣之功 | 13 | 熟      | 15 | 一人守隘，万 |    | 从何说起   | 17 |
| 一箭之地 | 13 | 一人做事一人 |    | 夫莫向    | 16 | 一只碗不啻， |    |
| 一箭双雕 | 13 | 当      | 15 | 一子出家，七 |    | 两碗碗叮当  | 17 |
| 一德一心 | 13 | 一寸光阴一寸 |    | 祖升天    | 16 | 一朝权在手， |    |
| 一餐之惠 | 14 | 金      | 15 | 一子成道，九 |    | 便把令来行  | 17 |
| 一薰一莸 | 14 | 一寸光阴不可 |    | 族升天    | 16 | 一赏不可以不 |    |
| 一瞬之间 | 14 | 轻      | 15 | 一夫当关，万 |    | 信，一罚不  |    |
| 一臂之力 | 14 | 一口吸尽西江 |    | 夫莫开    | 16 | 可以不明   | 17 |
| 一饷之味 | 14 | 水      | 15 | 一夫拼命，万 |    | 二子子    | 17 |
| 一蹶之故 | 14 | 一个巴掌拍不 |    | 夫莫敌    | 16 | 二五耦    | 17 |
| 一蹶不振 | 14 | 响      | 15 | 一犬吠影，百 |    | 二良史    | 17 |
| 一蹴可几 | 14 | 一丸泥封函谷 |    | 犬吠声    | 16 | 二十而取   | 17 |
| 一瓣心香 | 14 | 关      | 15 | 一日为师，终 |    | 二八年华   | 17 |
| 一鳞半爪 | 14 | 一日之计在于 |    | 身为父    | 16 | 二人同心   | 17 |
| 一颦一笑 | 14 | 晨      | 15 | 一手独拍，虽 |    | 二三其德   | 17 |
| 一夔已足 | 14 | 一日不见鄙格 |    | 疾无声    | 16 | 二天之德   | 17 |

- |        |    |      |    |        |    |        |    |
|--------|----|------|----|--------|----|--------|----|
| 二分明月   | 17 | 三尺剑  | 19 | 三年有成   | 21 | 三分天下有其 |    |
| 二龙争珠   | 17 | 三百篇  | 19 | 三年蓄艾   | 21 | 二      | 23 |
| 二圣二贤   | 17 | 三字狱  | 19 | 三旬九食   | 21 | 三更灯火五更 |    |
| 二足无毛   | 17 | 三折肱  | 19 | 三旨宰相   | 21 | 鸡      | 23 |
| 二陆三张   | 17 | 三语掾  | 19 | 三军用命   | 21 | 三十六计，走 |    |
| 二者得兼   | 18 | 三恶道  | 19 | 三军受戴   | 21 | 为上计    | 23 |
| 二竖为虐   | 18 | 三家村  | 19 | 三阳开泰   | 21 | 三人行必有我 |    |
| 二帝三王   | 18 | 三脚猫  | 19 | 三坟五典   | 21 | 师焉     | 23 |
| 二卵弃干城  | 18 | 三十三天 | 19 | 三更半夜   | 21 | 三九四九，伸 |    |
| 二桃杀三士  | 18 | 三十六计 | 19 | 三豕涉河   | 21 | 不出手    | 23 |
| 二百年来无此 |    | 三十六行 | 20 | 三足鼎立   | 21 | 三日打渔，两 |    |
| 诗      | 18 | 三十六郡 | 20 | 三言两语   | 21 | 天晒网    | 23 |
| 丁一卯二   | 18 | 三十有室 | 20 | 三灾八难   | 21 | 三分像人，七 |    |
| 丁一确二   | 18 | 三十而立 | 20 | 三纲五常   | 21 | 分像鬼    | 23 |
| 丁丁伐木   | 18 | 三人同心 | 20 | 三纸无驴   | 22 | 三代以下惟恐 |    |
| 丁兰刻木   | 18 | 三人成虎 | 20 | 三妻四妾   | 22 | 不好名    | 23 |
| 丁宁再三   | 18 | 三九之位 | 20 | 三呼万岁   | 22 | 三十年河东， |    |
| 丁娘十索   | 18 | 三三五五 | 20 | 三征七辟   | 22 | 三十年河西  | 23 |
| 七十子    | 18 | 三三两两 | 20 | 三姑六婆   | 22 | 三日入厨下， |    |
| 七件事    | 18 | 三千弟子 | 20 | 三战三北   | 22 | 洗手作羹汤  | 23 |
| 七杀碑    | 18 | 三千食客 | 20 | 三战三走   | 22 | 三军可以夺  |    |
| 七上八下   | 18 | 三千珠履 | 20 | 三星在天   | 22 | 帅，匹夫不  |    |
| 七大八小   | 18 | 三马同槽 | 20 | 三思而行   | 22 | 可夺志    | 23 |
| 七子八婿   | 18 | 三元及第 | 20 | 三复斯言   | 22 | 于归     | 23 |
| 七日七夜   | 18 | 三木之下 | 20 | 三皇五帝   | 22 | 于万斯年   | 23 |
| 七日来复   | 18 | 三瓦两舍 | 20 | 三官六院   | 22 | 于飞之乐   | 23 |
| 七手八脚   | 18 | 三王五帝 | 20 | 三省吾身   | 22 | 于今为烈   | 23 |
| 七尺之躯   | 18 | 三五成群 | 20 | 三班六房   | 22 | 于公高门   | 23 |
| 七世共居   | 18 | 三日耳聋 | 20 | 三途八难   | 22 | 于心为甚   | 23 |
| 七出之条   | 18 | 三日於兔 | 20 | 三拳两脚   | 22 | 于心何忍   | 23 |
| 七死八活   | 18 | 三从四德 | 20 | 三曹对案   | 22 | 于乎哀哉   | 23 |
| 七级浮图   | 19 | 三分天下 | 20 | 三推六问   | 22 | 于此为盛   | 23 |
| 七步八叉   | 19 | 三分鼎足 | 20 | 三衅三浴   | 22 | 于焉为盛   | 23 |
| 七步成诗   | 19 | 三户亡秦 | 20 | 三兽渡河   | 22 | 于事无补   | 23 |
| 七国之乱   | 19 | 三心两意 | 21 | 三顾草庐   | 22 | 于事无益   | 23 |
| 七窍生烟   | 19 | 三尺童子 | 21 | 三朝元老   | 22 | 于物皆然   | 24 |
| 七通八达   | 19 | 三世不遇 | 21 | 三遗其矢   | 22 | 于思于思   | 24 |
| 七情六欲   | 19 | 三世因果 | 21 | 三缄其口   | 22 | 于兹有年   | 24 |
| 七零八落   | 19 | 三生石上 | 21 | 三魂七魄   | 22 | 于穆不已   | 24 |
| 七擒七纵   | 19 | 三仕三已 | 21 | 三跪九叩   | 22 | 于我心有戚戚 |    |
| 七颠八倒   | 19 | 三仕三逐 | 21 | 三餐果腹   | 22 | 焉      | 24 |
| 七嘴八舌   | 19 | 三令五申 | 21 | 三寸不烂之舌 | 22 | 亏心事    | 24 |
| 三寸丁    | 19 | 三头二面 | 21 | 三千大千世界 | 22 | 亏心短行   | 24 |
| 三不朽    | 19 | 三头八臂 | 21 | 三月不知肉味 | 23 | 丈人行    | 24 |
| 三不孝    | 19 | 三头两绪 | 21 | 三过家门不入 | 23 | 丈二诗人   | 24 |
| 三不幸    | 19 | 三老五更 | 21 | 三千宠爱在一 |    | 丈八蛇矛   | 24 |
| 三不祥    | 19 | 三贞九烈 | 21 | 身      | 23 | 丈六金人   | 24 |

|        |    |      |    |        |    |        |    |
|--------|----|------|----|--------|----|--------|----|
| 丈六金身   | 24 | 万世不易 | 25 | 万物之首   | 27 | 如百人同力  | 28 |
| 丈夫志在四方 | 24 | 万世不拔 | 25 | 万物之祖   | 27 | 与人方便   | 28 |
| 万人刀    | 24 | 万世师表 | 25 | 万物之理   | 27 | 与人无争   | 28 |
| 万人吏    | 24 | 万世法则 | 25 | 万物之情   | 27 | 与天共位   | 28 |
| 万人敌    | 24 | 万世模范 | 25 | 万物之镜   | 27 | 与世沉浮   | 28 |
| 万户侯    | 24 | 万石之钟 | 25 | 万物父母   | 27 | 与世俯仰   | 28 |
| 万世计    | 24 | 万目皆张 | 26 | 万物逆旅   | 27 | 与世浮沉   | 28 |
| 万世则    | 24 | 万目皆起 | 26 | 万念俱灰   | 27 | 与世推移   | 28 |
| 万世基    | 24 | 万目睽睽 | 26 | 万金之资   | 27 | 与世偃仰   | 28 |
| 万机主    | 24 | 万代不刊 | 26 | 万金不换   | 27 | 与古为徒   | 28 |
| 万岁后    | 24 | 万代不易 | 26 | 万金良药   | 27 | 与民同乐   | 29 |
| 万岁爷    | 24 | 万民赖之 | 26 | 万金家书   | 27 | 与民休息   | 29 |
| 万年计    | 24 | 万岁之期 | 26 | 万顷琉璃   | 27 | 与民争利   | 29 |
| 万字文    | 24 | 万岁天子 | 26 | 万弩俱发   | 27 | 与民更始   | 29 |
| 万事休    | 24 | 万岁娘娘 | 26 | 万贯家财   | 27 | 与民偕乐   | 29 |
| 万事足    | 24 | 万年之日 | 26 | 万钟之禄   | 27 | 与有力焉   | 29 |
| 万物主    | 24 | 万年之后 | 26 | 万钟之藏   | 27 | 与有闻焉   | 29 |
| 万重山    | 24 | 万全之计 | 26 | 万选青钱   | 27 | 与时变化   | 29 |
| 万乘师    | 24 | 万全之策 | 26 | 万室之邑   | 27 | 与时俯仰   | 29 |
| 万乘器    | 24 | 万全无患 | 26 | 万室之国   | 27 | 与虎谋皮   | 29 |
| 万家春    | 25 | 万军斩将 | 26 | 万室之都   | 27 | 与吟为伍   | 29 |
| 万人一心   | 25 | 万寿无期 | 26 | 万殊一辙   | 27 | 与鬼为邻   | 29 |
| 万人之命   | 25 | 万寿无疆 | 26 | 万殊之妙   | 27 | 与闻国政   | 29 |
| 万人异心   | 25 | 万劫不复 | 26 | 万乘之地   | 27 | 与日月争光  | 29 |
| 万人空巷   | 25 | 万死一生 | 26 | 万乘之君   | 27 | 与草木同腐  | 29 |
| 万人摇动   | 25 | 万折必东 | 26 | 万乘之国   | 27 | 与众同好靡不 | 29 |
| 万人喝采   | 25 | 万里一息 | 26 | 万乘之尊   | 28 | 成      | 29 |
| 万丈之溪   | 25 | 万里之任 | 26 | 万家生佛   | 28 | 与木石居，与 | 29 |
| 万万千千   | 25 | 万里之望 | 26 | 万斛泉源   | 28 | 鹿豕游    | 29 |
| 万口一谈   | 25 | 万里长征 | 26 | 万象更新   | 28 | 与朋友交而不 | 29 |
| 万无此理   | 25 | 万里同风 | 26 | 万象森罗   | 28 | 信乎     | 29 |
| 万夫之长   | 25 | 万里封侯 | 26 | 万紫千红   | 28 | 与亡国同事者 | 29 |
| 万夫之望   | 25 | 万里青云 | 26 | 万签插架   | 28 | 不可存    | 29 |
| 万不失一   | 25 | 万里鹏程 | 26 | 万满数也   | 28 | 与天地同寿， | 29 |
| 万不得已   | 25 | 万间之底 | 26 | 万福攸同   | 28 | 与日月争光  | 29 |
| 万方之略   | 25 | 万状千汇 | 26 | 万箱千仓   | 28 | 与其有誉于  | 29 |
| 万方多难   | 25 | 万状千变 | 26 | 万壑争流   | 28 | 前，熟若无  | 29 |
| 万户千门   | 25 | 万事全休 | 26 | 万籁俱寂   | 28 | 毁于后    | 29 |
| 万古千秋   | 25 | 万事亨通 | 26 | 万卷起书楼  | 28 | 才子书    | 29 |
| 万世一时   | 25 | 万事其理 | 27 | 万乘之公相  | 28 | 才干之士   | 29 |
| 万世之功   | 25 | 万态千端 | 27 | 万死不顾一生 | 28 | 才子佳人   | 29 |
| 万世之业   | 25 | 万物一齐 | 27 | 万物皆备于我 | 28 | 才艺卓绝   | 29 |
| 万世之后   | 25 | 万物一体 | 27 | 万物静观皆自 | 28 | 才不胜任   | 29 |
| 万世之名   | 25 | 万物之母 | 27 | 得      | 28 | 才气无双   | 29 |
| 万世之安   | 25 | 万物之灵 | 27 | 万绿丛中一点 | 28 | 才气过人   | 29 |
| 万世之利   | 25 | 万物之宗 | 27 | 红      | 28 | 才华盖世   | 30 |
| 万世之患   | 25 | 万物之宜 | 27 | 万人离心，不 | 28 | 才如史迁   | 30 |

- |         |    |      |    |           |    |             |    |
|---------|----|------|----|-----------|----|-------------|----|
| 才具不及    | 30 | 专心致志 | 31 | 五言长城      | 33 | 世态炎凉        | 35 |
| 才具有限    | 30 | 专犯忌讳 | 31 | 五言金城      | 33 | 世变日亟        | 35 |
| 才思敏捷    | 30 | 专权擅势 | 31 | 五事七政      | 33 | 世故人情        | 35 |
| 才兼文武    | 30 | 专事口舌 | 31 | 五知先生      | 33 | 世轻世重        | 35 |
| 才高八斗    | 30 | 专势擅朝 | 31 | 五帝三王      | 33 | 世俗之乐        | 35 |
| 才高倨傲    | 30 | 专诚拜候 | 31 | 五经大夫      | 33 | 世笃忠贞        | 35 |
| 才高意广    | 30 | 专房之宠 | 31 | 五经无双      | 33 | 世家子弟        | 35 |
| 才难之叹    | 30 | 专美于前 | 31 | 五经扫地      | 33 | 世袭罔替        | 35 |
| 才望高雅    | 30 | 专欲难成 | 31 | 五经刻石      | 33 | 世掌丝纶        | 35 |
| 才情卓越    | 30 | 专擅独断 | 31 | 五经鼓吹      | 33 | 世道人心        | 35 |
| 才略过人    | 30 | 五不孝  | 31 | 五柳先生      | 33 | 世禄之家        | 35 |
| 才疏意广    | 30 | 五不取  | 31 | 五星连珠      | 33 | 世路崎岖        | 35 |
| 才貌双全    | 30 | 五斗米  | 32 | 五脏六腑      | 33 | 世乱奴欺主       | 35 |
| 才貌出众    | 30 | 五达道  | 32 | 五穀大夫      | 33 | 世乱识忠臣       | 35 |
| 才藻艳逸    | 30 | 五朵云  | 32 | 五穀羊皮      | 33 | 世事如泡影       | 35 |
| 才藻富瞻    | 30 | 五羊城  | 32 | 五陵少年      | 34 | 可怜见         | 35 |
| 才有餘，量不足 | 30 | 五花马  | 32 | 五雀六燕      | 34 | 可怜虫         | 35 |
| 才有餘而识不足 | 30 | 五里雾  | 32 | 五福临门      | 34 | 可大可小        | 35 |
| 丰年玉     | 30 | 五经师  | 32 | 五福骈臻      | 34 | 可久可大        | 35 |
| 丰上锐下    | 30 | 五经笥  | 32 | 五鼎一肴      | 34 | 可不慎与        | 35 |
| 丰干饶舌    | 30 | 五十衣帛 | 32 | 五十而知天命    | 34 | 可为殷鉴        | 35 |
| 丰功伟烈    | 30 | 五马渡江 | 32 | 五十步笑百步    | 34 | 可以万全        | 35 |
| 丰功伟绩    | 30 | 五子之歌 | 32 | 五百年前是一家   | 34 | 可以长久        | 35 |
| 丰肌弱骨    | 30 | 五车之书 | 32 | 五步一楼，十步一阁 | 34 | 可以勿药        | 35 |
| 丰衣足食    | 30 | 五日一石 | 32 | 互为因果      | 34 | 可否之间        | 35 |
| 丰衣博带    | 30 | 五日京兆 | 32 | 互切互磋      | 34 | 可留则留        | 35 |
| 丰亨豫大    | 30 | 五内如焚 | 32 | 互争雄长      | 34 | 可高可下        | 35 |
| 丰沛子弟    | 30 | 五内皆崩 | 32 | 互相观摩      | 34 | 可博一粲        | 35 |
| 丰取刻与    | 30 | 五月披裘 | 32 | 互相攻讦      | 34 | 可堪回首        | 35 |
| 丰城剑气    | 31 | 五风十雨 | 32 | 互相标榜      | 34 | 可喜之论        | 35 |
| 丰容盛鬋    | 31 | 五方杂处 | 32 | 互相砥砺      | 34 | 可属大事        | 35 |
| 丰筋多力    | 31 | 五斗米道 | 32 | 互相倾轧      | 34 | 可操左券        | 35 |
| 井底蛙     | 31 | 五尺之童 | 32 | 互通有无      | 34 | 可一不可再       | 35 |
| 井井有条    | 31 | 五世而斩 | 32 | 互通声气      | 34 | 可为智者道       | 35 |
| 井中视星    | 31 | 五世同堂 | 32 | 互道契阔      | 34 | 可以久而久       | 36 |
| 井臼亲操    | 31 | 五世其昌 | 32 | 世外交       | 34 | 可以仕而仕       | 36 |
| 井味复咸    | 31 | 五光十色 | 33 | 世之才士      | 34 | 可以处而处       | 36 |
| 井鱼之见    | 31 | 五色无主 | 33 | 世无知音      | 34 | 可以速而速       | 36 |
| 井蛙之见    | 31 | 五色乱目 | 33 | 世无常贵      | 34 | 可同日道哉       | 36 |
| 井渫之洁    | 31 | 五花八门 | 33 | 世无贵贱      | 34 | 可笑不自量       | 36 |
| 井渫不食    | 31 | 五步成诗 | 33 | 世风日下      | 34 | 可遇而不可求      | 36 |
| 井水不犯河水  | 31 | 五里雾中 | 33 | 世风浇薄      | 34 | 可使食无肉，不可居无竹 | 36 |
| 专心一致    | 31 | 五体投地 | 33 | 世代书香      | 34 | 可与共患难，不可与共安 | 36 |
| 专心一意    | 31 | 五谷不分 | 33 | 世外桃源      | 34 | 乐           | 36 |
| 专心向公    | 31 | 五谷丰登 | 33 | 世远年陈      | 35 | 平生欢         | 36 |
|         |    | 五角六张 | 33 | 世罕其匹      | 35 |             |    |

|       |    |        |    |        |    |        |    |
|-------|----|--------|----|--------|----|--------|----|
| 平生语   | 36 | 东郭播间   | 38 | 两全其美   | 39 | 求索无厌   | 41 |
| 平王东迁  | 36 | 东海扬尘   | 38 | 两豆塞耳   | 39 | 求益反辱   | 41 |
| 平分秋色  | 36 | 东涂西抹   | 38 | 两利俱存   | 40 | 求浆得酒   | 41 |
| 平心而论  | 36 | 东道主人   | 38 | 两虎相争   | 40 | 求欲无厌   | 41 |
| 平心静气  | 36 | 东窗事发   | 38 | 两贤相厄   | 40 | 求之不可得  | 41 |
| 平允之士  | 36 | 东箭南金   | 38 | 两败俱伤   | 40 | 求人不如求己 | 41 |
| 平平无奇  | 36 | 东篱君子   | 38 | 两面二舌   | 40 | 求忠臣必于孝 |    |
| 平旦之气  | 36 | 东壁图书   | 38 | 两面三刀   | 40 | 子之门    | 41 |
| 平生之好  | 36 | 东鳞西爪   | 38 | 两部鼓吹   | 40 | 求木之长者， |    |
| 平生之言  | 36 | 东风射马耳  | 38 | 两袖清风   | 40 | 必固其根本  | 41 |
| 平头甲子  | 36 | 东面西北人  | 38 | 两脚书厨   | 40 | 事二姓    | 41 |
| 平地波澜  | 36 | 东风不与周郎 |    | 两脚野狐   | 40 | 事几不密   | 41 |
| 平安无事  | 36 | 便，铜雀春  |    | 两廓十殿   | 40 | 事与心违   | 41 |
| 平步青云  | 36 | 深锁二乔   | 38 | 两情缱绻   | 40 | 事与愿违   | 41 |
| 平易正直  | 36 | 丝发恩怨   | 38 | 两腋生风   | 40 | 事无二成   | 41 |
| 平易近人  | 36 | 丝竹之乐   | 38 | 两鼠斗穴   | 40 | 事无专擅   | 42 |
| 平治天下  | 36 | 丝竹之音   | 38 | 两端观望   | 40 | 事无巨细   | 42 |
| 平城之役  | 36 | 丝竹乱耳   | 38 | 两臂相扶   | 40 | 事无可为   | 42 |
| 平城之忧  | 36 | 丝竹管弦   | 38 | 两鬓皆白   | 40 | 事无常师   | 42 |
| 平原走马  | 37 | 丝来线去   | 39 | 两雄不并立  | 40 | 事无遗策   | 42 |
| 平原督邮  | 37 | 丝绣平原   | 39 | 两虎争人而斗 | 40 | 事不师古   | 42 |
| 平章百姓  | 37 | 丝不如竹，竹 |    | 两大之间难为 |    | 事不谐矣   | 42 |
| 平安就是福 | 37 | 不如肉    | 39 | 小      | 40 | 事半功倍   | 42 |
| 平地一声雷 | 37 | 亘古通今   | 39 | 两姑之间难为 |    | 事必万全   | 42 |
| 平地起风波 | 37 | 再三叮咛   | 39 | 妇      | 40 | 事必躬亲   | 42 |
| 东道交   | 37 | 再三再四   | 39 | 丽质天生   | 40 | 事有必至   | 42 |
| 东山再起  | 37 | 再世之交   | 39 | 求诸己    | 40 | 事有固然   | 42 |
| 东山高卧  | 37 | 再生父母   | 39 | 求之不得   | 40 | 事有凑巧   | 42 |
| 东门之役  | 37 | 再思而行   | 39 | 求之有道   | 40 | 事过境迁   | 42 |
| 东门黄犬  | 37 | 再造之恩   | 39 | 求之近者   | 40 | 事齐事楚   | 42 |
| 东风解冻  | 37 | 再衰三竭   | 39 | 求马买骨   | 40 | 事何由济   | 42 |
| 东方千骑  | 37 | 再接再厉   | 39 | 求马唐肆   | 41 | 事析秋毫   | 42 |
| 东平为善  | 37 | 吏民安堵   | 39 | 求仁得仁   | 41 | 事事如意   | 42 |
| 东市朝衣  | 37 | 吏治蒸蒸   | 39 | 求田问舍   | 41 | 事事无成   | 42 |
| 东西南北  | 37 | 吏安则人自静 | 39 | 求生净土   | 41 | 事事物物   | 42 |
| 东来紫气  | 37 | 夹袋中人物  | 39 | 求过于供   | 41 | 事败垂成   | 42 |
| 东扶西倒  | 37 | 更仆难数   | 39 | 求则得之   | 41 | 事物变化   | 42 |
| 东床坦腹  | 37 | 更深人静   | 39 | 求全之毁   | 41 | 事非得已   | 42 |
| 东床娇客  | 37 | 更深夜阑   | 39 | 求全责备   | 41 | 事变多故   | 42 |
| 东奔西走  | 37 | 更漏梦残   | 39 | 求名不得   | 41 | 事修谤兴   | 42 |
| 东南之秀  | 37 | 更上一层楼  | 39 | 求名求利   | 41 | 事急智生   | 42 |
| 东南之宝  | 37 | 两口子    | 39 | 求死不得   | 41 | 事倍功半   | 42 |
| 东南之美  | 37 | 两尾牛    | 39 | 求事中伤   | 41 | 事孰为大   | 42 |
| 东拼西凑  | 38 | 两小无猜   | 39 | 求贤若渴   | 41 | 事缓则圆   | 42 |
| 东食西宿  | 38 | 两可之间   | 39 | 求荣反辱   | 41 | 事豫则立   | 42 |
| 东施效颦  | 38 | 两叶双豆   | 39 | 求神问卜   | 41 | 事繁任重   | 42 |
| 东郭狡兔  | 38 | 两叶掩目   | 39 | 求神拜鬼   | 41 | 事久见人心  | 43 |

|           |    |             |    |           |    |      |    |
|-----------|----|-------------|----|-----------|----|------|----|
| 事死如事生     | 43 | 师直为壮        | 44 | 九转功成      | 46 | 及锋而试 | 47 |
| 事君犹事父     | 43 | 师望之任        | 44 | 九垓八埏      | 46 | 及溺呼船 | 47 |
| 事无不可对人言   | 43 | 师心不师圣       | 44 | 九垓之外      | 46 | 升山采珠 | 47 |
| 事虽小，不为不成  | 43 | 师克在和不在众     | 44 | 九战九胜      | 46 | 升斗之禄 | 47 |
| 事之难易，不在大小 | 43 | 串戏          | 44 | 九战九捷      | 46 | 升官发财 | 47 |
| 事已如此，无可奈何 | 43 | 临尸而歌        | 44 | 九重之渊      | 46 | 升高自卑 | 47 |
| 事无大小，皆决于上 | 43 | 临风陨涕        | 44 | 九泉之下      | 46 | 升高望远 | 47 |
| 事以密成，语以泄败 | 43 | 临风浩歌        | 44 | 九原可作      | 46 | 升堂入室 | 47 |
| 甚无谓       | 43 | 临去秋波        | 44 | 九拿十稳      | 46 | 升堂见亲 | 47 |
| 甚有令誉      | 43 | 临机应变        | 44 | 九流三教      | 46 | 升堂拜母 | 47 |
| 甚有声名      | 43 | 临机制变        | 44 | 九霄云外      | 46 | 长广舌  | 47 |
| 甚有声誉      | 43 | 临危受命        | 44 | 九儒十丐      | 46 | 长见识  | 47 |
| 甚自得也      | 43 | 临池学书        | 44 | 九切功亏一篑    | 46 | 长乐老  | 47 |
| 甚守妇道      | 43 | 临阵脱逃        | 44 | 九层之台，起于累土 | 46 | 长耳目  | 47 |
| 甚雾之朝      | 43 | 临阵磨枪        | 44 | 乃心王室      | 46 | 长舌妇  | 48 |
| 甚囂之朝      | 43 | 临别赠言        | 44 | 乃武乃文      | 46 | 长百兽  | 48 |
| 甚囂尘上      | 43 | 临事而惧        | 45 | 川上之叹      | 46 | 长者言  | 48 |
| 囊中物       | 43 | 临河羡鱼        | 45 | 川泽纳污      | 46 | 长夜饮  | 48 |
| 囊中颖       | 43 | 临难铸兵        | 45 | 川流不息      | 46 | 长久之计 | 48 |
| 囊空如洗      | 43 | 临崖勒马        | 45 | 久历风尘      | 46 | 长长远远 | 48 |
| 囊括四海      | 43 | 临深履薄        | 45 | 久长之风      | 46 | 长风破浪 | 48 |
| 囊萤读书      | 43 | 临朝称制        | 45 | 久长之图      | 46 | 长平之事 | 48 |
|           |    | 临渴掘井        | 45 | 久长之策      | 46 | 长平之战 | 48 |
|           |    | 临时抱佛脚       | 45 | 久处一方      | 46 | 长生不老 | 48 |
|           |    | 临渊羡鱼，不如退而结网 | 45 | 久而敬之      | 46 | 长生久视 | 48 |
|           |    |             |    | 久仰大名      | 46 | 长发其祥 | 48 |
|           |    |             |    | 久安长治      | 46 | 长乐未央 | 48 |
|           |    |             |    | 久阴不雨      | 46 | 长乐永康 | 48 |
|           |    |             |    | 久违雅致      | 46 | 长吁短叹 | 48 |
|           |    |             |    | 久怀慕尚      | 46 | 长年三老 | 48 |
|           |    |             |    | 久要不忘      | 46 | 长江天堑 | 48 |
|           |    |             |    | 久闻大名      | 46 | 长安道上 | 48 |
|           |    |             |    | 久闻其名      | 47 | 长我育我 | 48 |
|           |    |             |    | 久留之意      | 47 | 长兵短兵 | 48 |
|           |    |             |    | 久假不归      | 47 | 长言短言 | 48 |
|           |    |             |    | 久蛰思动      | 47 | 长沙痛哭 | 48 |
|           |    |             |    | 久不屈兹膝     | 47 | 长驱直入 | 48 |
|           |    |             |    | 久旱逢甘雨     | 47 | 长者家儿 | 48 |
|           |    |             |    | 久而不闻其香    | 47 | 长林丰草 | 48 |
|           |    |             |    | 久而不闻其臭    | 47 | 长枕大被 | 48 |
|           |    |             |    | 及时雨       | 47 | 长吁短叹 | 48 |
|           |    |             |    | 及门弟子      | 47 | 长命富贵 | 48 |
|           |    |             |    | 及瓜而代      | 47 | 长夜之乐 | 49 |
|           |    |             |    | 及时行乐      | 47 | 长夜之饮 | 49 |
|           |    |             |    | 及时努力      | 47 | 长夜漫漫 | 49 |
|           |    |             |    | 及肩之墙      | 47 | 长挑身材 | 49 |
|           |    |             |    | 及笄年华      | 47 | 长亭短亭 | 49 |

|        |    |        |    |        |    |   |      |    |
|--------|----|--------|----|--------|----|---|------|----|
| 长治久安   | 49 | 失出失入   | 50 | 向平愿了   | 52 | 部 | 之字路  | 53 |
| 长袖善舞   | 49 | 失声痛哭   | 50 | 向明而治   | 52 |   | 之子于归 | 53 |
| 长姣美人   | 49 | 失我常与   | 50 | 向壁虚构   | 52 |   | 之无不识 | 53 |
| 长恶不悛   | 49 | 失身风尘   | 50 | 垂于竹帛   | 52 |   | 之乎者也 | 53 |
| 长虑顾后   | 49 | 失迎得很   | 50 | 垂手下膝   | 52 |   | 之死靡它 | 54 |
| 长眠不起   | 49 | 失笑喷饭   | 50 | 垂手过膝   | 52 |   | 为之辞  | 54 |
| 长斋礼佛   | 49 | 失惊打怪   | 50 | 垂头丧气   | 52 |   | 为耳目  | 54 |
| 长烟一空   | 49 | 失魂落魄   | 50 | 垂头塌翼   | 52 |   | 为人作伐 | 54 |
| 长颈鸟喙   | 49 | 失之东隅，收 |    | 垂头塞耳   | 52 |   | 为人作嫁 | 54 |
| 长揖不拜   | 49 | 之桑榆    | 50 | 垂老之年   | 52 |   | 为人作噬 | 54 |
| 长短有命   | 49 | 失之毫厘，差 |    | 垂死挣扎   | 52 |   | 为人诟病 | 54 |
| 长短相交   | 49 | 以千里    | 51 | 垂青嘘植   | 52 |   | 为人捉刀 | 54 |
| 长空任鸟飞  | 49 | 丘里之言   | 51 | 垂垂老矣   | 52 |   | 为之动容 | 54 |
| 长安居，大不 |    | 乐山乐水   | 51 | 垂绅正笏   | 52 |   | 为之奈何 | 54 |
| 易      | 49 | 乐天知命   | 51 | 垂帘听政   | 52 |   | 为小失大 | 54 |
| 长者赐，不敢 |    | 乐以安民   | 51 | 垂拱而治   | 52 |   | 为天下民 | 54 |
| 辞      | 49 | 乐以忘忧   | 51 | 垂涎三尺   | 52 |   | 为天下先 | 54 |
| 长使英雄泪满 |    | 乐以通和   | 51 | 垂棘之璧   | 52 |   | 为天下笑 | 54 |
| 襟      | 49 | 乐不可支   | 51 | 垂裕后昆   | 52 |   | 为乐及时 | 54 |
| 长安虽好，不 |    | 乐不可极   | 51 | 垂裳而治   | 52 |   | 为民表率 | 54 |
| 是久居    | 49 | 乐不思蜀   | 51 | 垂囊而入   | 52 |   | 为民先锋 | 54 |
| 乏人问津   | 49 | 乐生于忧   | 51 | 重于泰山   | 52 |   | 为民除害 | 54 |
| 乏则取之于人 | 49 | 乐在其中   | 51 | 重见天日   | 52 |   | 为民请命 | 54 |
| 丹书铁券   | 49 | 乐而不荒   | 51 | 重负释身   | 53 |   | 为民喉舌 | 54 |
| 丹青之信   | 49 | 乐而不淫   | 51 | 重违其意   | 53 |   | 为母埋儿 | 54 |
| 丹泉六箴   | 49 | 乐而忘返   | 51 | 重足仄目   | 53 |   | 为在从众 | 54 |
| 丹楹刻桶   | 49 | 乐至无怨   | 51 | 重足侧目   | 53 |   | 为而不恃 | 54 |
| 丹之所藏者赤 | 49 | 乐观时变   | 51 | 重作冯妇   | 53 |   | 为妇画眉 | 54 |
| 乌龟     | 49 | 乐观其成   | 51 | 重规叠矩   | 53 |   | 为姊煮粥 | 54 |
| 乌之雌雄   | 50 | 乐极生悲   | 51 | 重重叠叠   | 53 |   | 为者败之 | 54 |
| 乌飞兔走   | 50 | 乐极悲生   | 51 | 重修旧好   | 53 |   | 为非作歹 | 54 |
| 乌止淮屋   | 50 | 乐善好施   | 51 | 重熙累洽   | 53 |   | 为虎作伥 | 54 |
| 乌乎哀哉   | 50 | 乐道安贫   | 51 | 重赏之下，必 |    |   | 为虎傅翼 | 55 |
| 乌鸟私情   | 50 | 乐道忘饥   | 51 | 有勇夫    | 53 |   | 为国柱石 | 55 |
| 乌有先生   | 50 | 乐道忘贫   | 51 | 禹生于石   | 53 |   | 为国捐躯 | 55 |
| 乌合之众   | 50 | 乐者所以救忧 |    | 禹行舜趋   | 53 |   | 为所欲为 | 55 |
| 乌合之卒   | 50 | 也      | 51 | 禹立谏鼓   | 53 |   | 为法自毙 | 55 |
| 乌鱼之瑞   | 50 | 朱陈之好   | 51 | 禹汤文武   | 53 |   | 为法自弊 | 55 |
| 乌面鹄形   | 50 | 朱轮华毂   | 51 | 禹汤黄老   | 53 |   | 为政以德 | 55 |
| 乌焉成马   | 50 | 朱唇皓齿   | 51 | 禹拜昌言   | 53 |   | 为政在人 | 55 |
| 乌巢之众   | 50 | 朱紫难别   | 52 | 禹惜寸阴   | 53 |   | 为鬼为蜮 | 55 |
| 乌巢之交   | 50 | 朱门酒肉臭， |    | 禹三过家门而 |    |   | 为蛇画足 | 55 |
| 乌头白，马生 |    | 路有冻死骨  | 52 | 不入     | 53 |   |      |    |
| 角      | 50 | 向隅     | 52 | 禹汤文武周公 |    |   |      |    |
| 失匕箸    | 50 | 向上一句   | 52 | 孔子     | 53 |   |      |    |
| 失入失出   | 50 | 向火乞儿   | 52 | 粤犬吠雪   | 53 |   |      |    |
| 失之交臂   | 50 |        |    |        |    |   |      |    |

- |         |    |       |    |           |    |          |    |
|---------|----|-------|----|-----------|----|----------|----|
| 为情而死    | 55 | 必死无还  | 56 | 举鼎绝膑      | 58 | 书香铜臭     | 59 |
| 为情颠倒    | 55 | 必传之作  | 56 | 举头望明月     | 58 | 书缺有间     | 59 |
| 为善最乐    | 55 | 必胜之将  | 56 | 举世尽从愁里    |    | 书中自有黄金   |    |
| 为富不仁    | 55 | 必胜之道  | 56 | 过         | 58 | 屋        | 59 |
| 为鼠为猫    | 55 | 必信必忠  | 57 | 一 (ㄇㄌㄥ) 部 |    | 书到用时方恨   |    |
| 为德不卒    | 55 | 必恭必敬  | 57 | 刁斗森严      | 58 | 少, 事非经   |    |
| 为长者折枝   | 55 | 必然之书  | 57 | 刁钻古怪      | 58 | 过不知难     | 60 |
| 为百姓请命   | 55 | 必然之势  | 57 | 了了常知      | 58 | 司过之士     | 60 |
| 为悦己者容   | 55 | 必然之理  | 57 | 了无异色      | 58 | 司农仰屋     | 60 |
| 为政不在多言  | 55 | 必然之策  | 57 | 了无喜色      | 58 | 司空见惯     | 60 |
| 为将三世必败  | 55 | 必也正名乎 | 57 | 了不长进      | 58 | 司马昭之心,   |    |
| 为人谋而不忠  |    | 永无宁日  | 57 | 习相远       | 58 | 路人所知     | 60 |
| 乎       | 55 | 永以为训  | 57 | 习与性成      | 58 | 买邻       | 60 |
| 为他人作嫁衣  |    | 永世无穷  | 57 | 习习谷风      | 58 | 买醉       | 60 |
| 裳       | 55 | 永矢弗谖  | 57 | 习气未除      | 58 | 买路钱      | 60 |
| 为山九仞, 功 |    | 永志不忘  | 57 | 习以为常      | 58 | 买空卖空     | 60 |
| 亏一簣     | 55 | 永垂不朽  | 57 | 习如自然      | 58 | 买菜求益     | 60 |
| 为渊馱鱼, 为 |    | 永铭心版  | 57 | 习非成是      | 58 | 买椟还珠     | 60 |
| 丛馱雀     | 55 | 永断葛藤  | 57 | 习俗不同      | 58 | 承乏       | 60 |
| 为魑弗摧, 为 |    | 州司临门  | 57 | 习俗移性      | 58 | 承天之休     | 60 |
| 蛇将若何    | 56 | 州官放火  | 57 | 习焉不察      | 58 | 承先启后     | 60 |
| 半开门     | 56 | 举一反三  | 57 | 习惯成自然     | 59 | 承欢膝下     | 60 |
| 半个前程    | 56 | 举一废百  | 57 | 习惯若自然     | 59 | 承敝通变     | 60 |
| 半子之靠    | 56 | 举不失选  | 57 | 乡曲之誉      | 59 | 承颜顺旨     | 60 |
| 半斤八两    | 56 | 举不逾等  | 57 | 乡曲豪杰      | 59 |          |    |
| 半生半熟    | 56 | 举止风流  | 57 | 乡里夫妻      | 59 | 乙 (ㄣㄌ) 部 |    |
| 半死不活    | 56 | 举止言谈  | 57 | 乡举里选      | 59 | 飞来福      | 60 |
| 半身不遂    | 56 | 举止轻浮  | 57 | 乡党邻里      | 59 | 飞将军      | 60 |
| 半间不界    | 56 | 举止阔绰  | 57 | 乡党尚齿      | 59 | 飞天使者     | 60 |
| 半青半黄    | 56 | 举手加额  | 57 | 乡愿作风      | 59 | 飞文染翰     | 60 |
| 半夜三更    | 56 | 举手可采  | 57 | 乡壁虚造      | 59 | 飞龙在天     | 60 |
| 半面之雅    | 56 | 举手投足  | 57 | 尹邪避面      | 59 | 飞龙乘云     | 60 |
| 半信半疑    | 56 | 举世瞩目  | 57 | 巴山夜雨      | 59 | 飞刍挽粟     | 60 |
| 半真半假    | 56 | 举目无亲  | 57 | 巴高望上      | 59 | 飞耳长目     | 60 |
| 半途而废    | 56 | 举目而足  | 57 | 巴蛇吞象      | 59 | 飞扬跋扈     | 61 |
| 半梦半醒    | 56 | 举尔所知  | 57 | 书不尽言      | 59 | 飞声腾实     | 61 |
| 半推半就    | 56 | 举动容止  | 57 | 书不借人      | 59 | 飞来横祸     | 61 |
| 半偈舍身    | 56 | 举足轻重  | 57 | 书心画也      | 59 | 飞兔龙文     | 61 |
| 半截入土    | 56 | 举直错枉  | 58 | 书生之见      | 59 | 飞砂走石     | 61 |
| 半壁河山    | 56 | 举贤自代  | 58 | 书生本色      | 59 | 飞将冲天     | 61 |
| 半部论语治天  |    | 举国同心  | 58 | 书记翩翩      | 59 | 飞黄腾达     | 61 |
| 下       | 56 | 举例发凡  | 58 | 书忍百字      | 59 | 飞短流长     | 61 |
| 必不胜任    | 56 | 举首顿蹙  | 58 | 书空咄咄      | 59 | 飞蛾赴火     | 61 |
| 必不能免    | 56 | 举案齐眉  | 58 | 书面戏驴      | 59 | 飞蝇垂蛛     | 61 |
| 必不得已    | 56 | 举扇一拂  | 58 | 书香气弟      | 59 | 飞熊入梦     | 61 |
| 必死之士    | 56 | 举棋不定  | 58 |           |    | 飞燕之下     | 61 |
| 必死之路    | 56 | 举鼎拔山  | 58 |           |    |          |    |

|            |    |           |    |      |    |             |    |
|------------|----|-----------|----|------|----|-------------|----|
| 飞燕体轻       | 61 | 十拿九稳      | 63 | 千里名驹 | 64 | 千绪万端        | 66 |
| 飞燕舞风       | 61 | 十部从书      | 63 | 千里命驾 | 64 | 千锤百炼        | 66 |
| 飞翻之纓       | 61 | 十家之产      | 63 | 千里迢迢 | 64 | 千篇一律        | 66 |
| 飞蓬乘风       | 61 | 十家之资      | 63 | 千里移檄 | 64 | 千里不留行       | 66 |
| 飞蓬随风       | 61 | 十渐十思      | 63 | 千里鸿毛 | 64 | 千里不赍粮       | 66 |
| 飞檐走壁       | 61 | 十殿阎王      | 63 | 千兵万马 | 64 | 千里犹对面       | 66 |
| 飞鹰走狗       | 61 | 十人制千虎     | 63 | 千言万语 | 64 | 千里而有一士      | 66 |
| 飞鸟尽，良弓藏    | 61 | 十六字心传     | 63 | 千辛万苦 | 64 | 千闻不如一见      | 66 |
| 虱处裈中       | 61 | 十年不制衣     | 63 | 千状万态 | 65 | 千人所指，无病而死   | 66 |
| 乳狗哺虎       | 61 | 十年窗下无人问   | 63 | 千枝万叶 | 65 | 千军易得，一将难求   | 66 |
| 乳姑不怠       | 61 | 十目所视，十手所指 | 63 | 千顷之泽 | 65 | 千里之行，始于足下   | 66 |
| 乳息小儿       | 61 | 十年生聚，十年教训 | 63 | 千顷汪汪 | 65 | 千金之裘，非一狐之腋  | 66 |
| 乳息未干       | 61 | 十年读书，十年养气 | 63 | 千呼万唤 | 65 | 千人诺诺，不如一士谔谔 | 66 |
| <b>十 部</b> |    | 千日酒       | 63 | 千岩万壑 | 65 | 千羊之皮，不如一狐之腋 | 66 |
| 十日饮        | 62 | 千里马       | 63 | 千金一笑 | 65 | 古之遗直        | 66 |
| 十二金人       | 62 | 千里驹       | 63 | 千金一掷 | 65 | 古之遗爱        | 66 |
| 十二金钗       | 62 | 千里眼       | 63 | 千金之子 | 65 | 古井不波        | 66 |
| 十二金牌       | 62 | 千金躯       | 63 | 千金之货 | 65 | 古今一体        | 67 |
| 十日一雨       | 62 | 千金裘       | 63 | 千金之珠 | 65 | 古今一轍        | 67 |
| 十风五雨       | 62 | 千人所指      | 63 | 千金之家 | 65 | 古今之变        | 67 |
| 十目十手       | 62 | 千了百当      | 63 | 千金之軀 | 65 | 古书浇胸        | 67 |
| 十发十中       | 62 | 千万买邻      | 63 | 千金买骨 | 65 | 古色古香        | 67 |
| 十有八九       | 62 | 千山万水      | 64 | 千变万化 | 65 | 古犹今也        | 67 |
| 十死一生       | 62 | 千门万户      | 64 | 千哄万哄 | 65 | 古往今来        | 67 |
| 十年九潦       | 62 | 千手千眼      | 64 | 千钧一发 | 65 | 古调不弹        | 67 |
| 十年以长       | 62 | 千仓万箱      | 64 | 千钧之重 | 65 | 古调独弹        | 67 |
| 十年构思       | 62 | 千方百計      | 64 | 千秋之后 | 65 | 古谊忠肝        | 67 |
| 十年树木       | 62 | 千古笑端      | 64 | 千秋万岁 | 65 | 古稀之年        | 67 |
| 十行俱下       | 62 | 千仞之高      | 64 | 千室之邑 | 65 | 古道可风        | 67 |
| 十全十美       | 62 | 千仞之雀      | 64 | 千娇万态 | 65 | 古道热肠        | 67 |
| 十全武功       | 62 | 千仞之溪      | 64 | 千娇百媚 | 65 | 古貌古心        | 67 |
| 十羊九牧       | 62 | 千头万绪      | 64 | 千载一圣 | 65 | 古道照顏色       | 67 |
| 十字街头       | 62 | 千岁一时      | 64 | 千载一时 | 65 | 古之学者为己      | 67 |
| 十步以内       | 62 | 千岁之人      | 64 | 千载一遇 | 65 | 古已有之，于今为烈   | 67 |
| 十步芳草       | 62 | 千岁厌世      | 64 | 千载之功 | 66 | 华山之冠        | 67 |
| 十围之木       | 62 | 千年一清      | 64 | 千载之任 | 66 | 华发鬢顛        | 67 |
| 十围五攻       | 62 | 千军万马      | 64 | 千载之会 | 66 | 华而不实        | 67 |
| 十雨五风       | 62 | 千红万紫      | 64 | 千载之遇 | 66 | 华灯初上        | 67 |
| 十金之财       | 62 | 千里一日      | 64 | 千载无患 | 66 | 华如桃李        | 67 |
| 十指如锥       | 63 | 千里一曲      | 64 | 千真万真 | 66 | 华实相称        | 67 |
| 十战十胜       | 63 | 千里之外      | 64 | 千恩万谢 | 66 |             |    |
| 十室九室       | 63 | 千里之志      | 64 | 千乘之国 | 66 |             |    |
| 十室之邑       | 63 | 千里同风      | 64 | 千虑一得 | 66 |             |    |
| 十恶不赦       | 63 |           |    | 千章万句 | 66 |             |    |

## 一部

【一人敌】 不过能敌一个人而已。史记项羽本纪：项籍少时，学书不成，去学剑，又不成，项梁怒之，籍曰：书足以记姓名而已，剑一人敌，不足学，学万人敌。

【一片石】 一块石碑。朝野金载：惟有韩陵一片石堪共语。

【一戎衣】 一次穿着军服。一亦作壹。书经武成：一戎衣，天下大定。礼记中庸：壹戎衣而有天下。

【一团糟】 本指一团不能计算米粒的酒糟；比喻事情弄得不可收拾的意思。庄子天道：古人之糟魄已夫。

【一块肉】 引伸为唯一仅存的子孙。宋史帝昺纪：杨太后闻昺死，抚膺大恸曰：我忍死，艰关至此者，正为赵氏一块肉尔，今无望矣！遂赴海死。

【一坏土】 以手掬土，比喻极微小。史记张释之传：假令愚民取长陵一坏土，陛下何以加其法乎？注：长陵，指文帝墓。

【一时选】 当时众人中选出来的优秀人材。唐书韦抗传：他所辟举，如王维、王缙、崔殷等，皆一时选云。

【一身轻】 没有任何责任在身上了。苏轼贺子由生第四孙诗：无官一身轻，有子万事足。

【一杯水】 引伸为官清廉，黎民以水代酒敬之。隋书赵轨传：别驾在官，水火不与百姓交，是以不敢以壶酒相送，公清若水，请酌一杯水奉饯。

【一杯羹】 分我一份的意思。史记高祖本纪：汉高祖谓项羽曰：吾翁即若翁，必欲烹而翁，则幸分我一杯羹。

【一刹那】 形容时间很短促。般若经：一念中有九十刹那，一刹那经九百生灭。

【一眨眼】 一转眼，比喻时间极短。一切经音义引字苑云：眨，目数开闭也。

【一家言】 亦同一家之言、成一家言同，成为一家专门著作。文选司马迁报任少卿书：亦欲以究天人之际，通古今之变，成一家之言。

【一掬泪】 一捧眼泪。李白秋浦歌：遥传一掬泪，为我达扬州。

【一斛珠】 唐明妃被杨贵妃逼迁上阳，明

皇念之，适夷使贾殊，命封一斛赐明妃。明妃谢以诗云：柳叶双眉久不描，残妆和泪污红绡；长门尽日无梳洗，何必珍珠慰寂寥？

【一辈子】 指人的一生，由出生到死亡。红楼梦第二十二回：这一去，一辈子也别来了。又二十六回：谁守谁一辈子呢？

【一窝蜂】 好象蜂从一窝里出来的；比喻一哄而起。陆游入蜀记：建炎中，大盗张遇，号一窝蜂，拥兵过庙下。苏涣变律诗：蜜蜂成一窝，高挂恶木枝。

【一溜烟】 即指逃跑得快的意思，一晃眼不见了。红楼梦十二回：贾瑞瞅的背着脸，一溜烟抱着肩竟跑了。

【一壁厢】 旧小说中常用语，犹言一方面。元曲汉宫秋：就一壁厢引控甲士随地打猎。

【一一温存】 一个一个的慰问。剪灯馀话江庙泥神记：女闻之，皆来就生为别，会宿书斋，生一一温存，式均其惠。

【一人而已】 只有他一个人。唐书狄仁杰传：蔺基仁曰：狄公之贤，北斗以南，一人而已。

【一人当十】 同一人当百，形容极勇敢的意思。史记项羽本纪：及楚击秦，诸将皆从壁上观，楚战士无不一当十。

【一人当百】 形容一人之奋勇可以抗拒百人。国策韩策：以韩卒之勇，被坚甲，磨劲弩，带利剑，一人当百，不足信也。

【一人向隅】 只有一个人没有获得应得的。说苑贵德：今有满堂饮酒者，有一人独索然向隅而泣，则一堂之人，皆不乐矣！

【一人两心】 比喻心志不专一的意思。管子禁藏：视其所爱以成其威，一人两心，其内必衰也。

【一人贪戾】 一个人贪财、逞蛮。礼记大学：一人贪戾，一国作乱。

【一人复楚】 功劳很大，但不居功。国策楚策：申包胥与伍员友善，员以吴师伐楚，入郢，包胥入秦乞援，哭庭七日，秦伯遣将定其国难，复楚之功，包胥一身耳。

【一刀两断】 本意谓一件东西，用刀劈成两节，不再相连，引伸为彼此一次断绝了关系，永远不再牵连；比喻做事有决心、果断。朱